www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 196 | जौनपुर सोमवार, 02 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

गिव टू गेन : जेजीयू का महिलाओं पर दूसरा राष्ट्रीय सम्मेलन 8 मार्च से होगा शुरू

सोनीपत, (एजेंसी)। भारत में महिलाओं पर आयोजित पहले राष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता को आगे बढ़ाते हुए, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी 8 और 10 मार्च को हरियाणा के सोनीपत स्थित अपने परिसर में दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यह सम्मेलन लैंगिक न्याय पर गहन, समावेशी और एक्शन–ओरिएंटेड कन्वर्सेशन चर्चाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की थीम ष्गिव टू गेनष पर आधारित, जेजीयू का महिला सम्मेलन का दूसरा संस्करण महिलाओं के ज्ञान, रचनात्मकता, नेतृत्व और श्रम में निवेश से दीर्घकालिक सामूहिक सामाजिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक लाभ के विचार को प्रमुखता देता है। भारत में दशकों से किए गए प्रयासों और सुधारों से महिलाओं के जीवन स्तर में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं, फिर भी लैंगिक भेदभाव अभी भी कायम है, और इसका प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों, सांस्कृतिक संदर्भों, घरों, कार्यस्थलों, रचनात्मक गतिविधियों और शैक्षणिक संस्थानों में महिलाओं पर पड़ता है।

विधायक ने सदन में बगहा को राजस्व जिला बनाने की मांग की

बिहार, (एजेंसी)। विधानसभा सत्र के दौरान बगहा के भाजपा विधायक राम सिंह ने सदन के पटल पर बगहा को राजस्व जिला घोषित करने की मांग को जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने सरकार से इस संबंध में स्पष्ट जवाब देने की मांग करते हुए कहा कि बगहा की जनता वर्षों से इस न्यायोचित मांग को लेकर आवाज उठाती रही है। विधायक ने कहा कि बगहा को राजस्व जिला का दर्जा मिलने से क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को नई गति मिलेगी। प्रशासनिक सुदृढ़ता बढ़ेगी और आमजन को विभिन्न सरकारी कार्यों के लिए दूर–दराज के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान व्यवस्था के कारण स्थानीय लोगों को राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जानकारी हो कि बगहा क्षेत्र में कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बगहा को वर्ष 1996 में पुलिस जिला बनाया गया था,।

जब ज्ञान विज्ञान के साथ जुड़ता है तो संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नेशनल साइंस डे पर कहा कि जब ज्ञान विज्ञान के साथ जुड़ता है तो संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जब ज्ञान विज्ञान के साथ जुड़ता है, तो जब ज्ञान और विज्ञान से हमारा परिचय होता है, तो संसार की सभी समस्याओं और संकटों से मुक्ति का रास्ता अपने आप खुल जाता है। उन्होंने कहा कि समाधान का, विकास का और नवाचार का आधार विज्ञान ही है। पीएम ने कहा कि आज नेशनल साइंस डे सीवी रमन की 'रमन इफेक्ट' खोज को समर्पित है। रमन इफेक्ट की खोज

ने पूरे विज्ञान की दिशा को बदल दिया। प्रधानमंत्री मोदी एक्स पोस्ट आगे लिखा कि नेशनल साइंस डे पर हम रिसर्च, इनोवेशन और साइंटिफिक जिज्ञासा की भावना का जश्न मनाते हैं जो हमारे देश को आगे बढ़ाती है। यह दिन सर सीवी रमन की रमन इफेक्ट की अहम खोज की याद में मनाया जाता है। इस खोज ने भारतीय रिसर्च को दुनिया भर में मजबूती से जगह दिलाई। हम अपने युवाओं को मजबूत बनाने, रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूत करने और देश के विकास और दुनिया की भलाई के लिए साइंस और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने का अपना इरादा दोहराते हैं। वहीं, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने एक्स पोस्ट में लिखा, "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। 28 फरवरी 1928 को रमन प्रभाव की ऐतिहासिक खोज ने भारत को वैज्ञानिक गौरव की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। डॉ. सी. वी. रमन की यह उपलब्धि भारतीय प्रतिभा, शोध और नवाचार की वैश्विक पहचान बनी।" आज भारत अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर हरित ऊर्जा, जैव–प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचार तक विश्व समुदाय में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रहा है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों से लेकर सस्ती और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाओं तक, भारतीय विज्ञान वैश्विक समाधान प्रस्तुत कर रहा है।

रंग-गुलाल और पिच कारी की बिक्री हुई तेज

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। होली का त्योहार नजदीक आते ही शहर के बाजार गुलजार हो गए हैं। मुख्य बाजारों में सुबह से देर शाम तक खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। रंग–गुलाल, पिचकारी, चिप्स–पापड़ और गुझिया में इस्तेमाल होने वाले मेवा की दुकानों पर रौनक बढ़ गई है। शहर के मुरारीदास गली के दुकानदार मोनू ने बताया कि इस बार हर्बल अबीर–गुलाल 40 से 120 रुपये प्रति पैकेट तक बिक रहा है, जबकि बच्चों की पिचकारी 30 से लेकर 750 रुपये तक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले साल की तुलना में बिक्री बेहतर है। चौक के दुकानदार गोपाल चौरसिया ने बताया कि काजू 900 से 1000 रुपये किलो, बादाम 800 से 900 रुपये और किशमिश 520 से 600 रुपये किलो बिक रही है। सबसे महंगा चिरौंजी 2200 और मगज 1200 रुपये किलो है। गुझिया बनाने के लिए मेवा की मांग सबसे ज्यादा है। चौक में किराना की दुकान करने वाले मुकेश ने बताया कि ब्रांडेड चिप्स 10 से 50 रुपये पैकेट और पापड़ 400 से 480 रुपये किलो बिक रहे हैं। मांग बढ़ने से रोजाना की बिक्री में इजाफा हुआ है। अर्पित वर्मा ने बताया कि गुझिया के लिए सूजी 40 से 45 रुपये किलो और मैदा 35 से 40 रुपये किलो मिल रहा है। इससे खरीदारों में भी उत्साह दिख रहा है। ग्राहक सीमा सिंह ने बताया कि बच्चों के लिए रंग और पिचकारी खरीदी है, कीमतें थोड़ी बढ़ी हैं लेकिन त्योहार मनाना जरूरी है। अमित वर्मा ने कहा कि मेवा महंगा है, फिर भी घर की गुझिया का स्वाद अलग होता है। अनुपमा श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार प्राकृतिक गुलाल को प्राथमिकता दे रही हैं। ग्राहक अनूप तिवारी ने कहा कि बाजार में विकल्प ज्यादा हैं, जिससे बजट के अनुसार खरीदारी आसान हो गई है। मिठाइयों की बढ़ी मांग, 800 रुपये किलो मिल रही गुझिया सुल्तानपुर। रंगों के पर्व होली का त्योहार चार मार्च को मनाया जाएगा। त्योहार के चलते मिठाइयों की खरीदारी तेज हो गई है। ब्रांडेड कंपनियों की सोहन पपड़ी की मांग सबसे अधिक देखी जा रही है, जो 165 रुपये प्रति किलो की दर से बाजार में उपलब्ध है। सवा किलो का बंद टिन पैक रसगुल्ला 265 रुपये बिक रहा है। जीएन सड़क के दुकानदार आत्मजीत सिंह ने बताया कि गुझिया की मांग आपूर्ति से कहीं ज्यादा है। रिफाइंड ऑयल में बनी गुझिया 350 से 425 रुपये प्रति किलो तक बिक रही है, जबकि देशी घी की गुझिया के दाम 700 से 800 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं।

समस्त जनपदवासियों, देशवासियो को रंगों के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रदेश के सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारकों को मिलेगी इलाज की सुविधा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान कार्ड) के लाभार्थियों को बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। सरकार प्रदेश के सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज की सुविधा देने जा रही है। जल्द ही स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) प्रदेश के 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों से एमओयू साइन करने जा रही है। प्रदेश में कुल 13 कैंटोनमेंट अस्पताल हैं। प्रयागराज कैंटोनमेंट अस्पताल में पहले से ही आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान कार्ड)

के लाभार्थियों को बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। सरकार प्रदेश के सभी कैंटोनमेंट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज की सुविधा देने जा रही है। जल्द ही स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) प्रदेश के 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों से एमओयू साइन करने जा रही है। प्रदेश में कुल 13 कैंटोनमेंट अस्पताल हैं। प्रयागराज कैंटोनमेंट अस्पताल में पहले से ही आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज किया जा रहा है। इसके सफल परिणाम को देखते हुए योगी सरकार ने प्रदेश के अन्य 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारकों को इलाज मुहैया कराने का निर्णय लिया है। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि जनवरी–2026 से प्रयागराज के कैंटोनमेंट अस्पताल में आयुष्मान कार्ड धारकों का निशुल्क इलाज किया जा रहा है। यहां पर मरीजों को कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉची, मेडिकल एंड सर्जिकल अनकालॉजी आदि गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा दी जा रही है। इसके साथ ही मुफ्त ओपीडी अप्वाइंटमेंट, मुफ्त जांच व गंभीर मरीजों को मुफ्त परिवहन की सुविधा दी जा रही है, जिसके सफल परिणाम सामने आए हैं। इसी कड़ी में प्रदेश के अन्य 12 कैंटोनमेंट अस्पतालों के साथ एमओयू साइन किया जाएगा। इसके लिए स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) द्वारा औपचारिक प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र 'देश की उपासना परिवार' की ओर से सभी जौनपुर जनपदवासियों एवं प्रदेश वासियों तथा देशवासियों को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

सम्पादक

चंद्र ग्रहण होने के कारण श्री राम जन्मभूमि मंदिर सहित सभी मंदिरों के मंगलवार को सुबह 9:00 बजे से पट हो जाएंगे बंद

अयोध्या ब्यूरो चीफ
राजेश कुमार श्रीवास्तव

अयोध्या। मंगलवार को चंद्र ग्रहण होने के कारण श्री राम जन्मभूमि मंदिर सहित सभी मंदिर प्रातः 9:00 बजे के बाद बंद हो जाएंगे जिनके दर्शन अब दूसरे दिन ही से शुरू हो पाएगा। श्री राम मंदिर जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि 3 मार्च को चंद्र ग्रहण के चलते दर्शन की व्यवस्था दिन में बंद रहेगी बताया कि सुबह मंगल एवं श्रृंगार आरती के बाद 9:00 बजे तक श्रद्धालुओं का दर्शन होगा इसके बाद 9:00 बजे के बाद सूतक लग जाएगा तो सूतक काल के अलावा चंद्र ग्रहण काल तक दर्शन बंद रहेगा।यही हाल अयोध्या सहित पूरे जिले के मंदिरों का होगा।

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई।

चंद्रेश त्रिपाठी

(सहायक आयुक्त)

जिला दिव्यांग जन कल्याण अधिकारी

अयोध्या

जिले में दिव्यांग जनों के लिए सरकारी योजनाओं को देने के लिए हमेशा तत्पर।

रंगों के पावन पर्व होली की जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

डॉ तपन चौधरी

जनरल फिजीशियन

शहनवां, अयोध्या

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई

संदीप त्रिपाठी

थानाध्यक्ष

थाना कूरेभार

जनपद सुलतानपुर

थाना कूरेभार क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने व क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने में हमेशा तत्पर

रंगों के पावन पर्व होली की जनपद वासियों, प्रदेश वासियों, व देश वासियों को हार्दिक बधाई

अजीत गुप्ता

मेसर्स मां शारदा एंटरप्राइजेज

सेल्स प्रमोटर

/सी & एफ

जे के लक्ष्मी सीमेंट लि.

अयोध्या

अम्बेडकर नगर

9919005097

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

डाक्टर राजन तिवारी सिटी फार्मेसी वजीरगंज (जप्ती) अयोध्या

संपादकीय

आफत से राहत

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोप मुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला सीबीआई की तरफ से दायर मामले में आया है। अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल तथा 21 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। निश्चय ही संकट से जूझ रही आम आदमी पार्टी के लिये यह फैसला प्राणवायु जैसा साबित हो सकता है। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच एजेंसी का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। कोर्ट का कहना था कि अटकलों व अनुमानों को कानूनी रूप से मान्य सबूतों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट का यह फैसला केजरीवाल व उनकी टीम के लिये आधी लड़ाई जीतने जैसा है। जिससे वे खुद को आम आदमी पार्टी के कोर वोटरों को अपने पाक–साफ होने का विश्वास दिलाने का प्रयास कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस प्रकरण को अपना मुख्य मुद्दा बनाकर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे हमले बोले थे। पार्टी ने दिल्ली के मतदाताओं को यह समझाने में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी कि केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सिर्फ एक राजनीतिक प्रपंच है। बहरहाल, इन आरोपों के बीच स्वच्छ शासन का वादा करते हुए भाजपा ने 26 वर्ष के लंबे अंतराल पर दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी, जबकि आप दूसरे स्थान पर रही थी। दिल्ली विधानसभा में मिली शिकस्त के बाद ही आप के शीर्ष नेतृत्व ने अपना पूरा ध्यान पंजाब पर लगाया था। आज पंजाब ही ऐसा राज्य है जहां आम आदमी पार्टी की सरकार बची है। भले ही ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है,लेकिन एक बात तो तय है कि निचली अदालत के आदेश के बाद आप को दिल्ली में खोये जनाधार को फिर से हासिल करने का मौका मिल सकेगा। वह अपनी पार्टी के मुख्य भ्रष्टाचार विरोधी अभियान को फिर से चलाने के लिये नैतिक बल तो हासिल कर पायी है। दरअसल, इस फैसले से जांच में अत्यधिक दखलंदाजी को लेकर कई असहज करने वाले सवाल भी उठे हैं। खासकर अदालत की वह टिप्पणी, जिसमें कहा गया कि जांच एक पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है।

विश्वविद्यालयों की ब्रांडिंग के युग में मौलिकता का प्रश्न

गोपाल

बाजार चालित नव उदारवादी व्यवस्था शिक्षण क्षेत्र पर कब्जा कर लेती है, तो यूनिवर्सिटीज अपनी श्ब्रांडश वैल्यू बेचने लगती हैं। यूं भी औपनिवेशिक काल की सोच के चलते मूल रिसर्च करने के बजाय नकल की प्रवृत्ति बढ़ी। एआई इंपेक्ट समिट में गलगोटिया विवि की

प्रोफेसर ने जो किया, उससे यह स्पष्ट होता है कि किसी नकल करने वाले देश के लिए मौलिक बनना आसान नहीं। यकीन मानिए, मुझे हैरानी नहीं हुई जब मुझे पता चला कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर ने हाल ही में देश की राजधानी में हुई भारत एआई इंपेक्ट समिट में विवाद खड़ा कर दिया है। जी हां, प्रोफेसर नेहा सिंह को अपनी यूनिवर्सिटी की 'उपलब्धि' दिखाने के लिए झूठा दावा करने में जरा भी झिझक महसूस नहीं हुई। हां, हम सबने देखा कि किस प्रकार उन्होंने सरकारी टेलीविजन चौनल डीडी न्यूज को विवरण दियाकृऔर वह भी उस किस्म की 'चतुराई' के साथ जो हम कॉर्पोरेट कंपनियों के जहीन सेल्समैन में देखते हैंकृ कि 'ओरियन' नाम का रोबोटिक श्वान यूनिवर्सिटी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विकसित किया गया है, जबकि कड़वा सच यह है कि इस रोबोट को चीनी रोबोटिक्स कंपनी, 'यूनिट्री' ने ईजाद किया है, और यह भारत में भी ऑनलाइन बेचा जाता है। इसमें अचरज नहीं है क्योंकि हमारी पीढ़ी ने यूनिवर्सिटी के जिस आदर्श को संजोया था, वह भरभरा कर टूट चुका है। हमने सोचा था कि किसी यूनिवर्सिटी की पहचान उसकी व्यावहारिक सहभागिता, अर्थपूर्ण अनुसंधान, आलोचनात्मक विचार, नैतिक संवेदनशीलता और सबसे ऊपर, शिक्षण की गरिमा से जानी जाएगी। एक यूनिवर्सिटी, जैसा कि हम मानते हैं, वह गुणवत्ता में किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान, शॉपिंग मॉल या विज्ञापन एजेंसी से अलग जगह होती है। लेकिन फिर, हम एक बिल्कुल अलग समय में जी रहे हैं। जैसे–जैसे बाजार चालित नव उदारवादी मशीनी तार्किकता शिक्षण क्षेत्र पर कब्जा कर लेती है, शिक्षा पूरी तरह से व्यापार बन जाती है, आलोचनात्मक विमर्श बलि चढ़ जाता है, छात्र उपभोक्ता बनकर रह जाता है और अध्यापक सेवा प्रदाता की भूमिका निभाने लगता है। कोई हैरानी नहीं कि एक यूनिवर्सिटी भी अपनी 'ब्रांड' वैल्यू बेचने लगी हैं –जैसे कोई कंपनी डिटर्जेंट पाउडर बेचती हो और बेचे जाने वाले अपने उत्पाद के फायदों के बारे में हर तरह के झूठे या बढ़ा–चढ़ाकर दावे करे। असल में, रोबोटिक्स, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस– ये फैंसी 'उत्पाद' हैं जिन्हें नवउदारवादी यूनिवर्सिटी रणनीतिक विज्ञापनों और बढ़ा–चढ़ाकर किए गए दावों के जरिए बेचना चाहती है। इसलिए अगर कोई यूनिवर्सिटी एआई के क्षेत्र में अपनी उपलब्धि के बारे में झूठे दावे करती हो तो आपको और मुझे हैरानी क्यों होनी चाहिये? एक प्रकार से, प्रोफेसर नेहा सिंह को दोष नहीं दिया जाये क्योंकि आखिरकार वे खुद एक ऐसी संस्कृति का उत्पाद हैं जो यूनिवर्सिटी को लाभ कमाने वाला एक धंधा, एक प्रोफेसर को जन संपर्क एजेंट और छात्र अथवा अभिभावक को एक संभावित ग्राहक की तरह लेता है। भले ही गलगोटिया यूनिवर्सिटी फिलहाल खबरों में है, लेकिन सच तो यह है कि एक यूनिवर्सिटी को 'ब्रांड' के तौर पर बेचने का यह काम अब आम बात है। और शिक्षा के इस किस्म के सरेआम व्यवसायीकरण को 'रैंकिंग' की राजनीति और आगे बढ़ा–चढ़ाकर पेश करती है। सड़क किनारे लगे बिलबोर्ड या चमकदार पत्रिकाओं एवं अखबारों में दिए भव्य विज्ञापन देखिए, तो आप आसानी से गौर कर सकते हैं कि कैसे इन सभी संस्थानों को 'टॉप रैंकिंग यूनिवर्सिटी' के तौर पर पेश किया जा रहा है। और ऐसी रैंकिंग एजेंसियों की कोई कमी नहीं है जिनकी सेवाएं ये यूनिवर्सिटियां निरंतर लेती रहती हैं और आमंत्रित करती हैं। और इन यूनिवर्सिटी की यत्नपूर्वक गढ़ी गई छवि अक्सर इनकी उपलब्धियों और सबसे बढ़कर, इनके 'प्रोडक्ट' (छात्रों) को, गूगल, इंफोसिस, विप्रो, अमेजन वगैरह से मिलने वाले 'पैकैज' के बारे में हर तरह के बढ़ा–चढ़ाकर किए गए दावों से भरी होती हैं। समझ नहीं आता कि हंसा जाये या रोया जाये, जब पाते हैं कि कोई यूनिवर्सिटी इस किस्म के शानदार विज्ञापन से खुद को 'दुकान' के तौर पर बेच रही होती है, मसलन, 'यूनिवर्सिटी ने वर्ल्ड क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग्सरू एशिया 2026 में हासिल किया एक और मील का पत्थर... दक्षिणी एशिया में 116वें और पूरे एशिया में 454वें पायदान पर रखा गया है... डिग्री लेने वाले 98 प्रतिशत विद्यार्थियों ने टॉप की कंपनियों में नौकरी पाईय 5.4 लाख रूप औसत सालाना पैकेजय और उच्चतम वेतन 1.5 करोड़ रुपये वार्षिक '। इस किस्म के माहौल में, कोई प्रोफेसर सच की तलाश करने वाला नहीं हो सकताय उसे भी उस यूनिवर्सिटी की 'ब्रांड वैल्यू' के बारे में झूठे या बढ़ा–चढ़ाकर दावे करने पड़ते हैं जिसने उसे नौकरी पर रखा है। प्रोफेसर नेहा सिंह की मानसिक उलझन समझी जा सकती है। इसके अलावा, जिंदा रहने के लिए, इन तमाम शिक्षा दुकानों को लगातार सत्तारूढ़ सरकार को संतुष्ट करना पड़ता है। यह मत भूलिए कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी को, जैसा कि खबरें बताती हैं, एआई प्रदर्शनी हॉल में चार आईआईटी को कुल मिलाकर मिले बूथ से भी बड़ा बूथ मिला था। और विशेष तौर पर जब हमें बताया जाता है कि भारत को 'विश्वगुरु' होने के नाते आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस में पीछे नहीं रहना चाहिए– यह तकनीकी–आदर्शवाद का नवीनतम ब्रांड है जिसे कॉर्पोरेट अरबपति बेचने के लिए बेकरार हैं– तो शायद गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने सत्तारूढ़ सरकार को खुश करने के लिए सारी हदें पार कर दीं और, विडंबना यह कि सरकार को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। वास्तव में, यह देश में राजनीति और शिक्षा की हालत पर एक दुरूखद टिप्पणी है। इसी प्रकार, मान लीजिए, एक चीनी रोबोटिक श्वान को भारतीय आविष्कार के तौर पर दिखाने की यह अजीब इच्छा यह भी दर्शाती है कि हम भारत को एक नकलची देश में बदलने में कभी शर्म महसूस नहीं करते। शायद, हम अभी तक अपनी चेतना को औपनिवेशिक काल की मानसिकता से उबार पाने में सफल नहीं हो पाए। आजादी के बाद के भारत में भी, 'विकसित' पश्चिम हमारे लिए सकरात्मक मानक बिंदु के तौर पर था। मसलन, अपनी विशिष्ट शिक्षा संस्कृति को बेहतर बनाने और अपने संस्थान उनके जैसे बनाने, जो आत्मविश्वास से भरपूर हों और स्थानीय जरूरतों एवं चुनौतियों के मुताबिक काम करें, इसकी बजाय हम ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, हार्वर्ड या प्रिंसटन को अपने लिए बतौर रोल मॉडल देखते रहते हैं।

झांसी की होली पर कहर बरपाया था डलहौजी ने

दीपक

स्वतंत्रता सेनानी होली के महीनों पूर्व ही गाजे–बाजे के साथ देशवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाने वाले फगुए गाना और गुलाल व फूलों से होली खेलना शुरू कर देते थे। धुलेंडी के दिन महिलाएं और बच्चे खादी के वस्त्र पहनकर सुराजी गाने गाते थे। वर्ष 1920 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन का आह्वान किया तो विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी के इस्तेमाल की उनकी अपील ने ऐसा रंग दिखाया था कि देशवासियों ने विदेशी कपड़ों तक की होली जला डाली थी। लेकिन उस दौर की होली का यह पूरा परिचय नहीं है। तब होली आती तो आजादी के दीवानों और उनकी राह में कांटे बिछाते रहने वाले अंग्रेजों के बीच नए सिरे से ठन जाती थी। कारण यह था कि आजादी के दीवाने प्रायः होली पर देशवासियों को राग–द्वेष भुलाकर एक करने, जगाने और लड़ने को प्रेरित करने की नई कवायदें शुरू करते थे, जो अंग्रेजों को कतई गवारा नहीं होती थीं। 1853 में झांसी की होली के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था, 21 नवम्बर, 1853 को उसके राजा गंगाधर राव नेवालकर के निःसंतान निधन के बाद अंग्रेज गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी ने झांसी पर 'डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स' का कहर बरपाने के लिए होली का ही दिन चुना था। इतिहासकारों के अनुसार, गंगाधर राव अपने रहते अपने दत्तक पुत्र दामोदर राव को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर गए थे। लेकिन उनके निधन के बाद डलहौजी ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। प्रसंगवश, डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीनस्थ भारतीय राज्यों व रियासतों को उसके साम्राज्य में मिलाने की ऐसी 'हड़प नीति' थी, जिसके तहत कोई राजा निःसंतान रहते दुनिया को अलविदा कह जाता तो राज्य को कंपनी के साम्राज्य में मिला लिया जाता था। झांसी को हड़पने के लिए डलहौजी ने इसी नीति के तहत 7 मार्च, 1854 को एक फरमान निकाला और इरादतन होली के दिन ही झांसी भेजा। फरमान के साथ एक इश्तिहार भी था, जिसमें लिखा था कि अब कंपनी की ओर से झांसी का शासन मेजर एलिस चलाएंगे। इस रंग में भंग के बाद झांसीवासी भला होली कैसे मनाते? रानी लक्ष्मीबाई ने भी होली के सारे समारोह रद्द कर दिए और महल में जाकर भविष्य पर छाए काले बादलों से निपटने की योजनाएं बनाने में व्यस्त हो गईं। तब से डेढ़ से ज्यादा शताब्दी बीत गईं, लेकिन झांसी के लोग उस फरमान के आने, रानी द्वारा उसे अंगूठा दिखाने और इससे क्रुद्ध अंग्रेजों के विकट हमले के दौरान झांसी को बचाते हुए वीरगति प्राप्त करने की याद में होली के दिन होली नहीं मनाते। काश! लाहौरवासी भी झांसी वालों की तरह उन छह बब्बर अकाली आंदोलनकारियों की शहादत को याद रखते और उनका शोक मनाते, 1926 में जिन्हें अंग्रेजों ने लाहौर सेंट्रल जेल में होली के दिन ही फांसी दे दी थी। उस साल होली 27 फरवरी को थी और उस दिन फांसी पर लटकाए गए इन आंदोलनकारियों के नाम थेकृकिशन सिंह गड़गज्ज, संता सिंह, दिलीप सिंह, नंद सिंह, करम सिंह और धरम सिंह। तब भगत सिंह 'क्रांतिकारियों का शहर' कहलाने वाले कानपुर में रहकर आजादी की लड़ाई में ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले गणेश शंकर विद्यार्थी के लोकप्रिय पत्र 'प्रताप' में काम कर रहे थे। उन्होंने 'एक पंजाबी युवक' के नाम से 15 मार्च, 1926 के 'प्रताप' में लेख लिखकर इस बात पर रोष और क्षोभ जताया था कि इस छह वीरों के बलिदानों को लेकर लाहौर शोक में नहीं डूबा और होली मनाता रहा। इसी 'प्रताप' के शहर कानपुर में 1942 में होली के दिन हटिया बाजार के रज्जन बाबू पार्क में जमा क्रांतिकारी तिरंगे झंडे को खूब ऊंचा फहराकर होली खेल रहे थे, तो अंग्रेजों के दर्जन भर घुड़सवार सिपाही सरपट घोड़े दौड़ाते आए और तिरंगा उतारने लगे।

..... विविध/स्वास्थ्य .....

होली के रंगों का बहाना पेश मोहब्बत का नजराना

रंगों का त्योहार और भारतीय सिनेमा का रिश्ता वैसा ही है, जैसे किसी कोरे कागज पर रंग बिखेर देना। हिंदी फिल्मों में होली सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि भावनाओं के उफान, दबे जज्बात और 'इजहार– ए–मोहब्बत' की स्वीकार्यता है। यह वह दिन है, जब बंदिशें रंगों की फुहार में बह जाती हैं। होली के बहाने नायक–नायिका अपने दिल की बात कह देते हैं। परदे पर होली हमेशा से प्रेम के व्याकरण को समझाने वाला मधुर प्रसंग रही है, जहां गुलाल का एक टीका प्रेम पत्र से भी ज्यादा असरदार साबित होता है। हम भारतीयों के लिए रंगों का त्योहार होली सिर्फ रंग उड़ाने तक सीमित नहीं है। यह वह सामाजिक अवसर है, जहां मर्यादाओं की कठोर लकीरें थोड़ी धुंधली हो जाती हैं और भावनाओं को अभिव्यक्ति के लिए खुला आकाश मिलता है। हिंदी सिनेमा ने इस सांस्कृतिक तत्व को बखूबी समझा और परदे पर इसे 'मोहब्बत की शुरुआत' के प्रसंग के रूप में स्थापित किया। फिल्म इतिहास में आप पाएंगे कि जो बातें बंद कमरों या संकोची मुलाकातों में नहीं हो सकीं, उन्हें फागुन की मस्ती और अबीर की परतों ने मुमकिन कर दिया। यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक विश्लेषण है। फिल्मों में ब्लैक एंड व्हाइट दौर से ही होली को एक ऐसे 'मूड' की तरह इस्तेमाल किया गया, जहां नायक अपनी नायिका के प्रति अनुराग व्यक्त करने के लिए रंगों की आड़ लेता है। ऐसा कई फिल्मों में हुआ है। सिनेमा के शुरुआती काल में होली का चित्रण आज के मुकाबले काफी शालीन और अर्थपूर्ण था। सन 1957 की क्लासिक फिल्म 'मदर इंडिया' का गाना 'होली आई रे कन्हाई' याद कीजिए। यहां होली केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक जीवन में खुशियों के चंद लम्हों का प्रतीक थी। उस दौर में रोमांस सीधे न होकर प्रतीकों में होता था। नायक का नायिका को सिर्फ दूर से रंग फेंकना भी प्यार का संकेत माना जाता था। वह ऐसा दौर था, जहां रंग मर्यादाओं की सीमा में रहकर भी भावनाओं को व्यक्त करते थे। इसका प्रसंग फिल्म 'कटी पतंग' में दिखाई देता है। इस होली दृश्य को हिंदी फिल्मों के सबसे भावनात्मक और अर्थपूर्ण दृश्यों में गिना जाता है। इस सीन में गीत 'आज न छोड़ेंगे बस हमजोली' के जरिए रंगों की आड़ में दबी भावनाएं सतह पर आ जाती हैं। नायक राजेश खन्ना और नायिका आशा पारेख के बीच लगाव उभरकर सामने आता है। यह दृश्य केवल रोमांस नहीं, बल्कि कथानक का मोड़ भी है। इसी तरह 'नदिया के पार' की होली बेहद सादगी भरी है। जबकि 'डर' में राहुल का जुनून रंग लगाने में दिखाई देता है। जिसमें उसकी सनक और प्यार दोनों उजागर होते हैं। दरअसल, होली ने हर बार कहानी को एक नया मोड़ दिया। जैसे–जैसे सिनेमा ने रंगों की दुनिया में कदम रखा, होली का रूप 'बोल्ड' और 'ब्यूटीफुल' होता चला गया। 70 और 80 का दशक वह मोड़ था, जहां होली 'इजहार–ए–मोहब्बत' का सबसे बड़ा मंच बनी।

क्लासिक फिल्मों की आदर्श मोहब्बत

राज कपूर की फिल्मों में तो होली का एक अलग ही दर्शन था। 'मदर इंडिया' और 'कोहिनूर' जैसी क्लासिक फिल्मों में होली गीतों के माध्यम से प्रेम और सामाजिक सद्भाव का ताना–बाना बुना गया। उस दौर में जब प्रेम की अभिव्यक्ति संयमित होती थी, तब होली के बहाने नायक का नायिका को रंग लगाना साहस भरी और प्रेममयी घटना मानी जाती थी। तब स्पर्श की भाषा को रंगों के जरिए पवित्रता के साथ परदे पर उतारा गया। दिलीप कुमार और मीना कुमारी के किरदारों के बीच की वह तड़प होली के गीतों में अक्सर उल्लासपूर्ण स्वीकार्यता में बदल जाती थी। वक्त के साथ जैसे–जैसे सिनेमा का परदा रंगीन हुआ, उसके साथ ही होली के रंगों के जरिए प्रेम की अभिव्यक्ति और भी मुखर होती गई। 70 और 80 के दशक तक आते फिल्मों में होली एक 'प्लाट डिवाइस' बन गई। फिल्म 'शोले' में होली का दृश्य नायक–नायिका के बीच बढ़ते आकर्षण और साथ ही फिल्म के खलनायक के खास अंदाज का भी संकेत था। 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' गीत केवल नाच–गाना नहीं था, बल्कि वह बसंती और वीरू के बीच के अनकहे रिश्ते पर समाज की मोहर लगाने वाला क्षण था। जहां गांव और परिवार के बीच भी प्रेम को एक अलग अंदाज में स्वीकार कर लिया जाता है।

मोहब्बत की बर्फ पिघलाने का बहाना

फिल्मों में जब प्रेमी जोड़े के बीच संकोच की बर्फ पिघलानी होती है, कथानक में होली दृश्य रच दिया जाता है। फिर इसमें खास प्रशाद का सेवन इस पूरे प्रसंग को एक 'कॉमिक रिलीफ' और 'ईमानदारी' का पुट देता है। उसका असर होते ही नायक का डर गायब हो जाता है और दिल के राज खोल देता है। यह फिल्मों का पुराना और सफल फार्मूला है। चाहे वो 'बागबान' की मैच्योर होली हो या 'टू स्टेट्स' का मॉडर्न सेलिब्रेशन, रंगों की फुहार ने हमेशा प्रेम की नई इबारत लिखी है। 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' में बद्री का वैदेही के पीछे रंग लेकर भागना या 'गोलियों की रासलीला राम–लीला' में रंगों के बीच वह पहला स्पर्श, यह सब होली के उस 'लाइसेंस' का हिस्सा है।

फिल्में जो इजहार–ए–मोहब्बत का प्रतीक बनी

हिंदी सिनेमा में होली और प्रेम के विश्लेषण में फिल्म 'सिलसिला' का जिक्र जरूरी है। यश चोपड़ा ने इस त्योहार को जिस गरिमा के साथ प्रेम की उलझनों से जोड़ा, वह अद्वितीय था। 'रंग बरसे भीगे' सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि वह उन दबे जज्बातों का सैलाब है, जो समाज के बंधनों को तोड़कर बाहर आने के लिए छटपटा रहे थे। भंग का असर और रंगों की धुंधली दुनिया नायक को वह साहस देती है, कि वह दुनिया के सामने अपनी प्रेमिका के प्रति अपने झुकाव को व्यक्त कर सके। 90 के दशक और उसके बाद के दौर में होली का स्वरूप और भी चंचल हो गया। 'डर' जैसी फिल्मों में होली को एकतरफा जुनून और प्रेम के खतरे को दिखाने के लिए इस्तेमाल किया गया। वहीं, 'मोहब्बतें' में होली को परंपराओं की बेड़ियां तोड़ने के प्रतीक के रूप में पेश किया गया। शाहरुख खान का चरित्र रंगों का आह्वान कर युवाओं को अपने प्रेम को बिना किसी डर स्वीकार करने का निमंत्रण देता है।

मोहब्बत की अभिव्यक्ति का रंगीला प्रसंग

आज के सिनेमा में जैसे 'ये जवानी है दीवानी' या 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' के होली दृश्य नायक और नायिका की केमिस्ट्री को एक नया आयाम देते हैं। 'बलम पिचकारी' जैसे गीतों में नायिका के संकोच को पूरी तरह खत्म होते दिखाया गया। यह प्रसंग दर्शकों को यह समझाता है कि प्रेम में डूबने के लिए रंगों जैसे उल्लास की जरूरत होती है। होली का यह 'कैमरा एंगल' वास्तव में मानवीय मनोविज्ञान की उस परत को छूता है, जहां व्यक्ति रंग लग जाने के बाद अपनी पहचान और अपने अहंकार को भूलकर केवल एक प्रेमी रह जाता है।

दिल की कहने का अच्छा मौका

फिल्मों में होली का प्रसंग भारतीय समाज की उस मानसिकता का प्रतिबिंब है, जहां त्योहारों के बहाने मर्यादा की सीमा को थोड़ा लचीला कर दिया जाता है।

रंग–गुलाल संग गीतों का धमाल

समय–समय पर होली को लेकर बॉलीवुड में सैकड़ों गीत बने हैं। होली के लिए फिल्मी गीत, रसिया, लोकगीत, फाग,नौटंकी,भजन इतने हैं कि सुनते ही रहो। ऐसे सभी गीत मस्ती के अलावा सामाजिक सौहार्द बिखेरते नजर आते हैं। हमारे समाज में सदियों से होली रंग खेलने, परस्पर गिले–शिकवे दूर करने आदि का पर्व माना जाता रहा है। होली अर्थात मस्तों की मस्ती। वहीं बॉलीवुड में तो यह रंगीन फिल्मी गीतों की विरासत ही बन गई है। होली के लिए फिल्मी गीत, रसिया, लोकगीत, फाग,नौटंकी,भजन इतने हैं कि सुनते ही रहो। फिल्मों ने होली को पूरी तरह ग्लैमरस बना दिया है। सफेद साड़ी, कुर्ता–पाजामा इसकी पहचान बन गए हैं । सफेद रंग पर लाल,पीला,नीला कोई एक रंग बिखर जाए तो बस मन करता है कि 'राजपूत' फिल्म का हेमा, धर्मेन्द्र, राजेश–विनोद खन्ना पर फिल्माया गीत– 'भागी रे भागी बृजबाला, कान्हा ने पकड़ा रंग डाला', गा ही डालें। और कभी–कभी मस्तों की टोली कहीं नाच उठती है जैसे वह नवरंग फिल्म का गीत गा रहे हों– 'अरे जा रे हट नटखट ना छू रे मेरा घूंघट,पलट के दूंगी आज तुझे गाली रे.....'। होली पर मस्ती बहुत होती है। खलनायक गब्बर सिंह शोले में जब पूछता है कि कब है होली तो लगता है कि पूरी दुनिया पूछ रही है होली कब है और हीरो–हीरोइन गाते हैं– 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं,रंगों में रंग मिल जाते हैं'। वहीं धर्मेन्द्र–मीना कुमारी की फिल्म 'फूल और पत्थर' के गीत– 'लाई है हजारों रंग होली, कोई तन के लिए कोई मन के लिए ..' तो बस होली के हर रंग का भेद ही खोल देता है। और रही सही कसर पूरी होती है फिल्म मस्ताना के गीत– 'होली खेलें नंदलाल, बिरज में धूम मची है', से। विनोद खन्ना और पद्मिनी की जो मस्ती इस गीत में है वह आज भी गांव–शहर में टोलियों के बीच होती है।

रंग बरसे भीगे चुनर वाली...

होली को लेकर बॉलीवुड में सैकड़ों गीत बने हैं लेकिन जो बात 'डॉन', 'सिलसिला' तथा 'आप की कसम' मूवी की है उसका जबाव नहीं। डॉन का गीत– 'अरे, भांग का रंग जमा हो चकाचक,फिर लो पान चबाए,अरे अइसा झटका लगे जिया पे पुनर जन्म होई जाए..' इतना रंगीन है कि हर होली पर बजता ही है। ठीक इसी तरह से सिलसिला में जब अमिताभ बच्चन पर फिल्माया गया गीत बजता है– 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली', तो बस हर कोई रंगों की दुनिया में जैसे खो जाता है। फिल्म पराया धन में 'होली रे होली,रंगों की टोली,आई तेरे घर पे मस्तों की टोली' में हर रंग पूरी मस्ती में है। ऐसे सभी गीत सामाजिक सौहार्द बिखेरते नजर आते हैं।

बलम पिचकारी जो तूने...

एक देश, अनेक रंग रू कहीं बरसे रंग तो कहीं लाठियां और राख य जानिये भारत की इन अनूठी होली परंपराओं का पूरा इतिहासश

फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' में रणवीर कपूर तथा दीपिका पादुकोण ने यूथ को बता दिया है कि होली ऐसे मनाई जाती है। आज कार्पोरेट जगत की होली और जेन जी की होली में इस तरह की मस्ती आम बात है। तब युवक–युवती का भेद मिट जाता है जब वे मिलकर गाते हैं– 'बलम पिचकारी जो तूने मुझे मारी,तो बोले रे जमाना खराबी हो गयी .. '। हर प्रकार के रस–छंद और अलंकारों से भरे इस गीत को बजाते हुए हर कोई एक–दूसरे के गले लगकर मन के मैल मिटाने को तैयार रहता है। शायद इसीलिए कहा गया है कि होली तो मन के मैल हटाकर गले मिलने का रंग महोत्सव है।

आज बिरज में होरी रे...

जब होली की मस्ती और सामाजिक सौहार्द की बात आती है तो बृजमंडल की होली सबसे ऊपर रहती है। यहां के रसिया और भजन तो देश–दुनिया में प्रसिद्ध हैं। 'आज बिरज में होरी रे रसिया, होरी रे होरी रे बरजोरी रे रसिया .. ' हो या फिर 'फाग खेलन बरसाने आए हैं, नटवर नंद किशोर' – ये दोनों गीत ही भक्ति सॉन्ग की तरह हो गए हैं।

जोगी जी धीरे–धीरे...

जब बात गीतों से सामाजिक सौहार्द की हो तो फगुआ को कैसे भुलाया जा सकता है। फगुआ अल्हड़ मस्ती को प्रजेंट करते हैं। उत्तर प्रदेश, बुंदेलखंड,बिहार, राजस्थान में इनका अधिक प्रचलन है।

वाराणसी में वृंदावन की तर्ज पर फूलों एवं गुलाब की होली का भव्य आयोजन किया गया

देश की उपासना ब्यूरो

वाराणसीरू राधा रानी सेवा ट्रस्ट द्वारा वृंदावन धाम की पावन परंपरा से प्रेरित होकर फूलों एवं गुलाब की होली का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं वैष्णव भक्तजन शामिल हुए और श्री राधा–कृष्ण के जयघोष एवं हरि नाम संकीर्तन के बीच फूलों की होली खेली गई।

पूरे आयोजन के दौरान वातावरण भक्ति, प्रेम और उत्साह से ओत–प्रोत रहा। भजन–कीर्तन, पुष्प वर्षा एवं संकीर्तन के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को वृंदावन जैसी दिव्य अनुभूति प्राप्त हुई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रेम, सद्भाव, आध्यात्मिकता एवं सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता का संदेश देना रहा। आयोजन में शामिल भक्तजनों ने फूलों एवं गुलाब की होली का आनंद लेते हुए प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर राधा रानी सेवा ट्रस्ट एवं रोटी बैंक वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में महमूरगंज स्थित हरिकृत ब्रिज ब्रज की होली का भव्य आयोजन हुआ । जिसमें राधा रानी सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल शास्त्री ने बताया कि वृंदावन की परंपरा के अनुरूप काशी में भी प्रतिवर्ष ब्रज की होली का आयोजन किया जा रहा है। वहीं रोटी बैंक संस्थान के अध्यक्ष रौशन पटेल ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में प्रेम, भाईचारा और आध्यात्मिक भावनाओं को बढ़ाते हैं। कार्यक्रम की सफलता में रजत कुमार श्रीवास्तव की अहम भूमिका रही। पूजा–पाठ विधि विधान से विनय शुक्ला द्वारा संपन्न कराया गया, जिसके बाद राधा रानी के फूल एवं गुलाल लगाकर होली उत्सव की शुरुआत किया गया । कार्यक्रम में प्रशांत सिंह, दीपक, शशि, सीमा देवी, हिरदेश, निशा श्रीवास्तव, हिमांशु सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह द्वारा सयुक्त रूप से आगामी त्योहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांति के साथ मनाने की गई अपील

देश की उपासना ब्यूरो

जौनपुर रू जनपद में आगामी त्योहारों होली तथा रमजान माह को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक शहरी आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह तथा सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता, उपजिलाधिकारी सदर संतवीर सहित पुलिस बल के साथ थाना कोतवाली सदर क्षेत्र से व्यापक रूट मार्च किया। रूट मार्च थाना कोतवाली सदर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों चहारसू, ओलंदगंज, शाही पुल, से होते हुए हुए सद्भावना पुल के गोपी घाट तक किया गया। इस दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने आम जनमानस, व्यापारियों तथा स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करते हुए आगामी त्योहार को आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांति के साथ मनाने की अपील की गईं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनपद में कानून–व्यवस्था की स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है और प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से प्राप्त अपुष्ट सूचनाओं को साझा करने से बचें। यदि कोई व्यक्ति अफवाह फैलाने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करता पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों से संवाद भी किया तथा उन्हें आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं भी दी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि त्योहारों के दृष्टिगत संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है तथा सोशल मीडिया सेल को भी सक्रिय किया गया है, जिससे भ्रामक एवं भड़काऊ पोस्ट पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान व्यापारियों एवं नागरिकों से अपील की गई कि वे प्रशासन का सहयोग करें, निर्धारित समय–सारिणी एवं दिशा–निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस या प्रशासन को दें। रूट मार्च के दौरान क्षेत्रीय अधिकारियों, थाना प्रभारी एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौजूद रही। प्रशासन की इस पहल से आम नागरिकों में सुरक्षा एवं विश्वास का वातावरण देखने को मिला। जनपद प्रशासन ने पुनः सभी नागरिकों से अपील की है कि आगामी त्योहार को परंपरागत उत्साह, भाईचारे एवं शांति के साथ मनाएं तथा जनपद में अमन–चैन और सौहार्द बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

महिला एसओ आशा शुक्ला ने किया पैदल गस्त

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर के निर्देश पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी की देखरेख मे सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी के नेतृत्व मे होली व रमजान को लेकर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने रविवार को रिकाबगंज चौराहे से चौक तक महिला पुलिस कर्मियों के साथ पैदल गस्त किया।इस मौके पर उन्होंने यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही किया,व कई वाहनों का चालान किया।इस मौके पर उन्होंने कहा कि होली व रमजान पर्व आपसी भाईचारे का पर्व है।इसे हम सभी को शालीनता से मनाना चाहिए।इस मौके पर उनके अलावा महिला उप निरीक्षक प्रिया, महिला उप निरीक्षक सोनी सहित अन्य महिला सुरक्षाकर्मी मौजूद रही ।

सरयू तट पर उतरा फागुन का उल्लासरू रोटरी क्लब ग्रेटर फैजाबाद ने मनाया भव्य होली मिलन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की पावन नगरी गुप्तार घाट के तट पर श्होली आई मस्ती छाईश के उद्घोष के साथ रोटरी क्लब ग्रेटर फैजाबाद का पारिवारिक होली मिलन समारोह अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। ढोल–नगाड़ों की थाप, ठंडाई की मस्ती,गुझिया की मिठास व सुबहके साथ सरयू तट के बीच रोटरी परिवार के सदस्यों ने आपसी प्रेम और सौहार्द के रंगों में सराबोर होकर इस पर्व को यादगार बनाया।सांस्कृतिक रंग और मस्ती समारोह का शुभारंभ पारंपरिक ढोल–भांगड़ा और मधुर होली गीतों के साथ हुआ। फागुनी गीतों की धुन पर क्लब के सदस्यों, महिलाओं और बच्चों ने जमकर नृत्य किया और एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर पर्व की बधाई दी।उत्सव के दौरान उल्लास और उमंग को शब्दों में पिरोते हुए कहा गया–

ष्मस्ती छाई है हर ओर, गुलाल का है शोर,
ढोल की थाप पर नाच रहा मन का मोर।
गुप्तार घाट के तट पर सजी है महफिल,
दोस्ती के रंगों में डूबा है आज हर दिल।ष

क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन संजीव सोनी ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा, ष्ऐसे सामूहिक आयोजन न केवल हमारी संगठन की एकता को मजबूत करते हैं, बल्कि हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से भी गहराई से जोड़ते हैं।ष्कार्यक्रम के सफल और सुव्यवस्थित संचालन में संयोजक रोटेरियन अखिलेश अग्रवाल के विशेष सहयोग और प्रबंधन की सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की।क्लब द्वारा उनके प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया।इस अवसर पर रोटरी क्लब के संस्थापक अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल,पूर्व अध्यक्ष अरुण अग्रवाल, अमित अग्रवाल, दीपक रस्तोगी, नीरज सिंघल, संजय मित्तल, सुनील रस्तोगी, पार्थ अग्रवाल, सचिव सतीश चौरसिया, अभिषेक अग्रवाल,अखिल अग्रवाल, दीपक मेहरोत्रा,जितेंद्र आनंद,रितेश गोयल,मुरली केसरवानी,अनुराग वैश्य,ऐश्वर्या रस्तोगी, जय आहूजा,नितेश रस्तोगी, मुकेश अग्रवाल, महिला विंग की सचिव नीता मित्तल, रश्मि केसरवानी,श्रद्धा अग्रवाल,संगीता सिंघल, रोली दीप निमिषा वैश्य,रुबी बंसल, सवी आनंद,छवि अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, यश अग्रवाल, शाश्वत एवं क्लब के अन्य पदाधिकारियों सहित रोटरी परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में सपरिवार उपस्थित रहे।

जनपद में नखास सहित दर्जन भर जगहों पर होलिका कार्यक्रम आयोजित : होली के पहले चन्द्रग्रहण के चलते एक दिन पूर्व यह अनुष्ठान किया गया

देश की उपासना ब्यूरो

जौनपुर। रंगों का पर्व होली की शुरूआत वैसे तो होलाष्टक से ही हो गयी है लेकिन परम्परा के अनुसार सोमवार को जगहकृजगह रेड का पेड़ गाड़कर होलिका दहन कार्यक्रम की भी शुरूआत हुई। मान्यता के अनुसार होलिका दहन कार्यक्रम बसंत पंचमी के दिन से ही शुरू हो जाती है जिसके चलते खाली जगहों पर उसी दिन रेड का पेड़ गाड़ दिया जाता है लेकिन आवागमन के चलते अधिकांश जगहों पर होली के एक दिन पहले यह कार्यक्रम होता है। इस बार होली, होलिका दहन और चंद्र ग्रहण एक साथ खास संयोग बना रहे हैं। मान्य पंचांगों और पारम्परिक ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार सोमवार को होलिका का कार्यक्रम किया गया। जानकारों की मानें तो 3 मार्च को चन्द्र ग्रहण लग रहा है जिसके चलते सूतक काल, पूजा–विधि, स्नान–दान और मंदिरों के नियमों को लेकर उत्सुकता और बढ़ गयी है। वहीं रंगों वाली होली 4 मार्च को मनायी जायेगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होलिका दहन पूर्णिमा तिथि और भद्रा की समाप्ति के बाद किया जाता है लेकिन अगर भद्रा समाप्त न हो तो भद्रा के शुभ हिस्से में ही करना उचित माना जाता है। इस वर्ष भद्रा का समय विशेष चर्चा में है, क्योंकि दहन का शुभ मुहूर्त भद्रा के पुच्छ काल में पड़ रहा है। फिलहाल 4 मार्च को पड़ने वाली होली के एक दिन पहले यानी मंगलवार को चन्द्रग्रहण के चलते सोमवार को जगहकृजगह होलिका का आयोजन किया गया। वहीं नखास में सोमवाद को समाजसेवी अशोक जायसवाल श्गप्पूश के नेतृत्व में तमाम लोगों ने यह अनुष्ठान किया गया। इस अवसर पर वैभव वर्मा, अज्जू बेनवंशी, अमन अग्रहरि, तेजस जायसवाल, माला, बृजबाला, संदीप बेनवंशी, आर्यन जायसवाल सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। देखा गया कि नगर के मोहल्ला ओलन्दगंज, जोगियापुर, शेखपुरा, अम्बेडकर तिराहा, लाइन बाजार, पालिटेक्निक चौराहा, रूहट्टा, मछलीशहर पड़ाव, गूलर घाट, गोपी घाट, विसर्जन घाट, बदलापुर पड़ाव, चहारसू चौराहा, कोतवाली चौराहा, सब्जी मण्डी, भण्डारी, सिपाह, रासमण्डल, मानिक चौक सहित तमाम जगहों पर होलिका कार्यक्रम किया गया। विभिन्न क्षेत्रों के आयोजन समिति ने अपने क्षेत्र में रेड़ का पेड़ को पूरे विधिकृविधान से सड़क पर गाड़ दिया गया।

होली और रमजान को देखते हुए एसएसपी सहित एसपी ग्रामीण व एसपी सिटी ने सीओ व एसओ के साथ किया पैदल गस्त

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। होली तथा रमजान पर्व को पुलिस प्रशासन सकुशल संपन्न कराने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। इसके लिए जहां एक तरफ पिछले दिनों जिले के सभी थाना क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों ने उन क्षेत्रों के व्यक्तियों के साथ शांति कमेटी की बैठक किया था। जहां पर इन अधिकारियों ने लोगों से इस पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए अपील किया। इसी कड़ी में रविवार की देर शाम एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी व एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने जनपद में होली और रमजान को देखते हुए संवेदनशील व अति संवेदनशील क्षेत्रो का भ्रमण कर कर मौजूद पुलिस कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए।इस मौके पर एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने पूराकलंदर थाना के भदरसा पुलिस चौकी क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल और पीएसी बल तथा अन्य टुकड़ियों के साथ मिश्रित आवादी वाले भदरसा बाजार और कस्बे में पैदल गस्त कर दोनों समुदायों के लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।इस मौके पर एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर ने कहा कि आगामी त्योहारों को भाई चारे के बीच मनाएं।साथ ही कहा कि यदि त्यौहार के बीच कोई भी व्यक्ति अराजकता फैलाने की कोशिश किया तो उसके साथ पुलिस सख्ती से निपटेगी।साथ ही बताया कि त्यौहार के दौरान पुलिस भ्रमण शील रहेगी और चीता मोबाइल और पुलिसकर्मी भ्रमण करती रहेगी। संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी होगी व संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल और पीएसी तैनात रहेगी।इस दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी अयोध्या आशुतोष तिवारी कोतवाल पूराकलंदर मनोज कुमार शर्मा चौकी प्रभारी भदरसा कमलेश साहनी उपनिरीक्षक शशांक पाठक राम सागर गुप्ता आलोक श्रीवास्तव अमरेंद्र प्रताप सिंह सूरज कुमार रमेश चन्द्र राम कृष्ण रावत महिला चौकी प्रभारी प्रिया मिश्रा सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। उनके अलावा एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडे, महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला, कैंट थाना प्रभारी संजीव सिंह के साथ चौक सहित अन्य प्रमुख चौराहों, गलियों में भ्रमण किया।वही एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के निर्देश पर सीओ बीकापुर पीयूष ने प्रभारी निरीक्षक बीकापुर कोतवाली, थाना अध्यक्ष हैदरगंज विवेक राय व थानाध्यक्ष तारुन देवेन्द्र के साथ संवेदनशील संवेदनशील होलिका दहन स्थलों तथा प्रमुख बाजारों व गलियों का निरीक्षण किया।वही सीओ सदर अरविंद सोनकर ने थाना अध्यक्ष महाराजगंज राजेश सिंह, थाना अध्यक्ष इनायत नगर रतन शर्मा तथा थाना अध्यक्ष गोसाईगंज के साथ संवेदनशील तथा अति संवेदनशील हॉल का स्थलों के अलावा ऐसी जगह हो जहां पर पिछले वर्ष कुछ छुटपुट की घटनाएं हुई थी उन स्थलों का भी निरीक्षण किया। इसी तरह को रुदौली आशीष निगम ने भी अपने अधीनस्थ सभी प्रभारी निरीक्षक थाना अध्यक्ष के साथ भ्रमणशील रहे।

डीसीएम चालक व परिचालक से पीट करने वाले आरोपी को कैंट पुलिस ने किया गिरफ्तार

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रविवार को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर संचरित एक वीडियो जिसमें जनपद अयोध्या के थाना कैण्ट क्षेत्र मे लखनऊ–गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक नीली बत्ती लगी महिन्द्रा कार एक्सयूवी कार के चालक व कार में बैठे अन्य व्यक्तियों द्वारा एक ट्रक को ओवर टेक के दौरान कार पर आई खरोच को लेकर ट्रक को रोक कर उसके ड्राइवर व क्लीनर

के साथ मार पीट किया गया था। जिसे कैंट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि सोशल मीडिया पर हो रहे वीडियो को तत्काल संज्ञान लेते हुए थाना कैण्ट की पुलिस द्वारा ट्रक चालक द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर नागेश मिश्रा पुत्र स्व0 अरमचंद मिश्रा निवासी 16ध्486 इंदिरा नगर थाना गाजीपुर जनपद लखनऊ को गिरफ्तार किया गया है।जबकि दो अन्य व्यक्ति नाम पता अज्ञात पंजीकृत कर विवेचना उ0नि0 कमलेश कुमार सरोज को सुपुर्द किया गया। बताया कि उक्त घटना मे थाना कैण्ट जनपद अयोध्या की पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त वायरल वीडियों में दर्शित वाहन व मार–पीट कर रहे व्यक्तियों की तलाश की गयी तो उक्त वाहन महिन्द्रा कार एक्सयूवी कार सहादतगंज के पास मिली,जिस पर अवैध तरीके से नीली बत्ती लगी हुई थी को तत्काल उतरवा कर वाहन को सीज किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष कैंट संदीप कुमार सिंह थाना कैण्ट,उ0नि0 कमलेश कुमार थाना कैण्ट जनपद अयोध्या, कांस्टेबल मनोज यादव थाना कैण्ट जनपद अयोध्या व का0 अनुराग भारती थाना कैण्ट जनपद अयोध्या शामिल रहे।

अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा नई समिति के आगाज के साथ कार्यकारिणी घोषणा होली मिलन समारोह सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सामाजिक धार्मिक , चिकित्सक, किन्नर एव अन्य क्षेत्र में अग्रणी संस्था अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के द्वारा नई कार्यकारिणी घोषणा के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन नगर के एक हॉल में सम्पन्न हुआ! कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ शकुन्तला यादव, डॉ समर बहादुर सिंह, डॉ अजय कुमार दूबे रीता जायसवाल, नागेंद्र सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया, कार्यक्रम में शिव तांडव स्त्रोत मेनका सिंह और राधा कृष्ण होली गीत नीलम मिश्रा के द्वारा प्रस्तुत किया गया! अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट के संरक्षक के द्वारा नए सदस्यों के साथ नई समिति अधिवक्ता समिति का गठन किया गया जिसके लिए शरद कुमार जायसवाल को अध्यक्ष घोषित किया गया, समाजसेवा समिति की अध्यक्ष मीरा अग्रहरि, सचिव क्षमा सिंह, शिक्षक समिति के अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव सचिव नीलम मिश्रा, डॉ पूनम सिंह, किन्नर समिति की अध्यक्ष पायल किन्नर सचिव डॉली जोशी, के साथ सभी समितियों के सदस्यों के नामों की घोषणा की गई।कार्यकारिणी घोषणा के उपरांत एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर पारम्परिक मिष्ठान के साथ होली पर्व की बधाई प्रेषित की गई। संस्था अध्यक्ष उर्वशी सिंह ने कहा कि लोक संस्कृति में शामिल होली का महत्व सबसे ज्यादा है, ऐसे पूरे भारत में होली मनाया जाता है, लेकिन यूपी–बिहार में होली का महत्व अलग है. फागुन का महीना चढ़ते ही गांव–गांव होली गवाने लगता है. लोग पूरे महीने होली में ढोल झाल मजीरा लेकर बजाते झूमते रहते है. राजनीतिक पार्टियां भी जगह–जगह होली मिलन समारोह का आयोजन करती है. ! डॉ शकुंतला यादव ने कहा कि होली आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द का त्योहार है। इस त्योहार को बिना किसी भेदभाव के मनाना चाहिए। किसी प्रकार का हुड़दंग नहीं करना चाहिए और न किसी को जबरन रंग लगाना चाहिए। होली हमें देश की सभ्यता और संस्कृति का भी संदेश देता है। डॉ समर बहादुर सिंह ने कहा कि यह त्योहार एकता का संदेश देता है। हम सभी को रंगों की तरह ही आपस में मिलजुल कर रहना चाहिए। डॉ अजय कुमार दूबे ने कहा कि हमे होली का पर्व सबसे मिलकर और बिना की नुकसान के साथ प्राकृतिक रंगों के साथ मनाये हानिकारक केमिकल्स युक्त रंगों से दूर रहे! संरक्षक रीता जायसवाल ने कहा कि होली मिलन समारोह हो महिलाएं भाग ना ले ऐसा हो नहीं सकता. महिलाओं की टोली ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया और एक दूसरे से रंग अबीर लगा कर बधाई दी. साथ ही होली के गीत पर खूब ठुमके लगाए ! ट्रस्ट परिवार के द्वारा सभी को अंत में उपहार देकर होली के लिए बधाई दिया गया! कार्यक्रम का संचालन सागर सोलंकी ने और आभार राधिका सिंह ने किया.! कार्यक्रम में पूनम सिंह अर्चना सिंह, सरोज गुप्ता, शिवांगी खरे,कनक सिंह, डॉ साधना मौर्य, सीमा गुप्ता,दीपक श्रीवास्तव, स्वप्निल श्रीवास्तव, रेनू अग्रहरि, किरन किन्नर, ट्रस्ट परिवार के सभी सदस्यों के साथ नीरज शाह, रामजी सिंह, सुधांशु विश्वकर्मा, अंजनी मिश्रा, पत्रकार बंधु भी उपस्थित रहे।

भूमि विवाद मे धरती खून से हो रही लाल,तहसील दिवस व थाना दिवस के कार्य शैली पर उठ रहा सवाल

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।जिले में भूमि विवाद के मामलों में बढ़ोतरी हुई है।देखा जाए तो सबसे अधिक विवाद भूमि विवाद के चलते हो रही है।रविवार को शाम होली पर जहां एक तरफ खुद एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर विभिन्न थाना क्षेत्र में जाकर पैदल गस्त कर रहे हैं और लोगों से शांति पूर्ण ढंग से होली मनाने की अपील किया और अराजक तत्वों को सचेत किया।लेकिन इसके बावजूद लगातार दो दिन रविवार और सोमवार को लगातार भूमि विवाद के मामलों ने पुलिस प्रशासन के कार्य शैली पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। बताते चले अभी रविवार को खाना गोसाईगंज क्षेत्र में भूमि विवाद के चलते कोई फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।वही एक दिन पहले शाम को एसएसपी के लाख समझाने के बावजूद थाना पूरा कलंदर क्षेत्र के कंदैला गाँव में आज जमीनी विवाद मे आगजनी की घटना हो गया।इस विवाद में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। जिसमें से तीन लोगो दशा गंभीर होने के चलते उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया।इस विवाद में दो बाइकों को आपके हवाले कर दिया।देखा जाए तो शासन की प्रथम प्राथमिकता तहसील दिवस व थाना दिवस के आयोजन में अधिक से अधिक समस्याओं का समाधान कर उनका निराकरण करना है।लेकिन जिले में हो रही लगातार विवाद का मुख्य कारण जमीनी विवाद है। क्या ते सवाल यह उठाते हैं क्या तहसील दिवस में खासकर जमीन विवाद का हल नहीं निकाला जा रहा है।जिले मे भूमि विवाद सुलझाने के लिए संचालित हो रहे सालों से थाना व तहसील दिवस बेमानी साबित हो रहे हैं।भूमि विवाद में मारपीट होना आम बात है उत्व तो खुलेआम कत्ल भी हो रहे हैं।भूमि विवाद को सुलझाने में पुलिस व राजस्व विभाग क्यों नहीं सफल हो रहा है।इसका कारण अब शासन प्रशासन को खोजना होगा।महीने में दो बार तहसील दिवस तो दो बार थाना दिवस के अलावा मंगलवार को समाधान दिवस भी कुछ खास प्रभाव नहीं डाल रहा है।आए दिन भूमि विवाद में हत्याएं होना अब आम बात हो गई है।एक दिन दिन पूर्व गोशाईगंज में भूमि विवाद में व्यक्ति की फायरिंग मे मौत व आज थाना पूराकलंदर क्षेत्र मे भूमि विवाद की घटना हुई।यही नहीं इससे पूर्व भी जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कई वारदातें हो चुकी है, पुलिस घटना के बाद नामजद लोगों को तो जेल पहुंचा देती है लेकिन भूमि विवाद में कतल और मारपीट न हो इसके लिए कोई ठोस उपाय नहीं कर पा रही है।देखा जाये तो पुलिस केवल शांति भंग की धारा में चालान करती है या पाबंद करती है जो दबंगों पर कोई असर नहीं डालती है।पिछले दिनो भूमि विवाद में कई गंभीर मारपीट व हत्याएं हो चुकी है।आखिर कौन सा कारण है कि भूमि विवाद का मामला पुलिस और प्रशासन ईमानदारी से निपटा क्यों नही पाता है।बार–बार भूमि विवाद की शिकायतें क्यों आती है, तहसील दिवस और थाना दिवस में भूमि विवाद संबन्धी मामले में पुलिस व राजस्व टीम बनाने का नियम है वह कितनी बार बनती है उसका निर्णय क्या होता है इसकी कभी भी कोई अधिकारी समीक्षा नही करता है,जिसके कारण रिपोर्ट भी मनमानी लगाई जाती है।

एक युग पुरुष और सेवा समर्पण का अंत, आज होगा डॉ जैन का अंतिम संस्कार

बांदा, (संवाददाता)। संत रणछोड़ दास द्वारा स्थापित श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के निदेशक पद्मश्री डॉ बुधेन कुमार जैन ने 27 फरवरी को लगभग शाम 4 बजे चित्रकूट की पावन धरती पर अंतिम सांस ली। उनके परलोक गमन से शोक की लहर है। अंतिम दर्शन के लिए शुभचिंतकों का तांता लगा रहा। लोगों का कहना था कि एक युग पुरुष और सेवा समर्पण का अंत हो गया। आज रविवार को सुबह 10 बजे नेत्र चिकित्सालय परिसर में डॉ जैन का अंतिम संस्कार होगा। बता दे कि डॉ जैन 1974 से सदगुरु नेत्र चिकित्सालय से जुड़े और लगभग 52 वर्षों तक गरीब और जरूरतमंद लोगों की आंखों की रोशनी लौटाने का काम किया। लगभग 17 लाख लोगों को उन्होंने आंखों की रोशनी देने का काम किया है। 1948 में जन्मे डॉ जैन की प्रारंभिक शिक्षा शासकीय विद्यालय व्यंकट क्रमांक सतना में हुई। इसके बाद 1968 से 1973 तक एस एस मेडिकल कॉलेज रीवा से हुई। 1977 से 1979 तक पीजी की शिक्षा उन्होंने मुंबई से प्राप्त की थी।

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

पंडित ऋषि शर्मा समाज सेवी अयोध्या

रंगों के पावन पर्व होली की जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

डा. अजय तिवारी अवध क्लिनिक शाहजहांपुर, अयोध्या

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई

अंकित शर्मा लखनऊ

श्री मंगलम इंफ्रा परिवार की तरफ से आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनायें

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

डा. आर पी सिंह एआरटीओ (प्रशासन) अयोध्या

होली पर्व पर नशे में वाहन ना चलाएं
रंगों का पर्व होली को आपसी भाईचारे के साथ मनाएं

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई

शशि प्रकाश मिश्रा एसीपी अलीगंज लखनऊ उत्तर प्रदेश

अलीगंज क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने व क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने में हमेशा तत्पर

रंगों के पावन पर्व होली की जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

–शशांक श्रीवास्तव उर्फ अंशू
–सुभांश श्रीवास्तव उर्फ आशू
–सुमित श्रीवास्तव उर्फ शीबू
पता – अश्वनी पुरम् कालोनी वजीरगंज (जप्ती)

पैतृक ग्राम - चौबेपुर (जाना बाजार)
पोस्ट - खपराडीह
जिला - अयोध्या
उत्तर प्रदेश

रंगोंके पावन पर्व होली व रमजान की सभी जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

प्रो. दानिश अनिश बेग
अवध मेडिकल हाल
टीएलएम अस्पताल के सामने
अयोध्या - सुल्तानपुर
राष्ट्रीय राजमार्ग मसौधा
जिला - अयोध्या
मोबाइल नंबर - 7800009005
www.avadhmedicalhall.

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई

डाक्टर राज करन मिश्रा
(पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य)
मिश्रा मेडिकल स्टोर
सुच्चितागंज सोहावल
वजीरगंज (जप्ती)
जनपद - अयोध्या
मोबाइल नंबर - 9936585244

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई

अरविंद सोनकर सीओ सदर जनपद अयोध्या

सदर सर्किल के थाना महाराजगंज, गोसाईगंज व रौनाही क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने व क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने में हमेशा तत्पर

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई

प्रदीप कुमार कोतवाली नगर, सिटी सर्किल अयोध्या

क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने व समाज को अपराध मुक्त बनाने में हमेशा तत्पर

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई

आशा शुक्ला महिला थानाध्यक्ष महिला थाना, अयोध्या

शहर मे कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने व महिला उत्पीड़न को रोकने में हमेशा तत्पर

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई

मानिक चंद्र सिंह सहायक आयुक्त खाद्य (द्वितीय) खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन जनपद अयोध्या

होली पर्व पर मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें।
होली पर्व पर खुले पदार्थों को कतई ना खरीदें।

रंगों के पावन पर्व होली की सभी डीलरों,जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

अश्वनी कुमार पाडे प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर, सिटी सर्किल अयोध्या

कोतवाली नगर क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने व समाज को अपराध मुक्त बनाने में हमेशा तत्पर

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई

एस एन सिंह प्रभारी निरीक्षक देवकाली पुलिस चौकी कोतवाली नगर, सिटी सर्किल अयोध्या

देवकाली चौकी क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने व क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने में हमेशा तत्पर

रंगों के पावन पर्व होली की सभी जनपद वासियों, प्रदेश वासियो व देश वासियो को हार्दिक बधाई

प्रोपराइटर - आनंद कुमार लखमानी

परंपरा ब्रेकर्स एंव परंपरा कॉस्मेटिक गिफ्ट इंपोरियन शॉप निकट देवकाली पुलिस चौकी अयोध्या

रंगों के पावन पर्व होली की जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

भारतीय केशरिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष/अखिल भारतीय इतिहास संकलन अवध प्रांत संरक्षक मनोज श्रीवास्तव तथा पत्रकार दीपक श्रीवास्तव की ओर से रंगो के पावन पर्व होली की सभी देश वासियो को हार्दिक बधाई

रंगों के पावन पर्व होली की सभी डीलरों,जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

राजीव मेहता स्टेट हेड यूपी ईस्ट बिगसेम सीमेंट (कनोडिया ग्रुप)

रंगों के पावन पर्व होली की सभी डीलरों,जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

रंगों के पावन पर्व होली की सभी डीलरों,जिले वासियो, प्रदेश वासियो तथा देश वासियों को हार्दिक बधाई

राज मंगल सिंह पूर्व अग्निशमन अधिकारी व समाज सेवी जनपद -अयोध्या

होली को आपसी भाईचारे के साथ मनाये होली के दौरान जबरन किसी के ऊपर रंग ना डालें इस दिन आपसी भेदभाव को भुलाकर एक दूसरे के गले मिले

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।